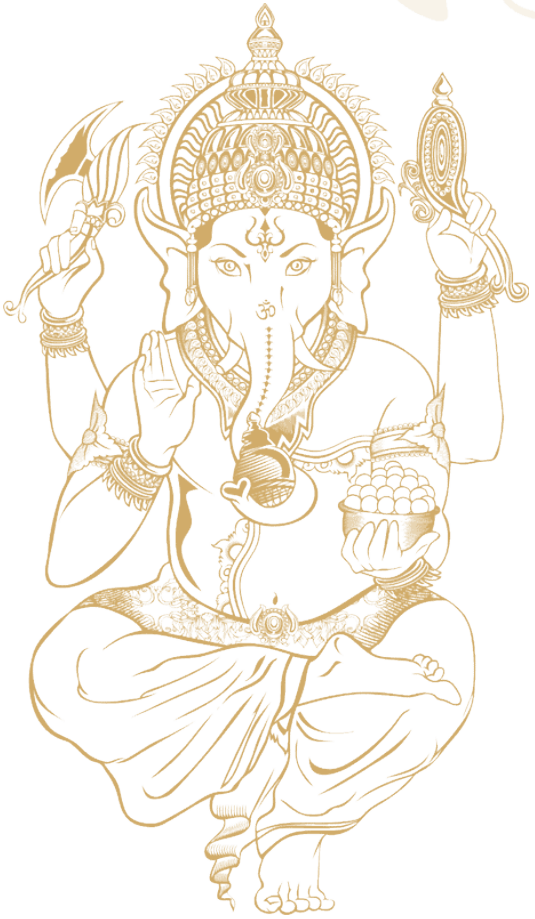

C/O Sri Birendra Sir

07 Dec 1994

04:18 AM

Deoghar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121545402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/12/1994**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:18:00 घंटे**
इष्ट	55:10:48 घटी
स्थान	**Deoghar**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	24:31:00 उत्तर
रेखांश	86:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:34:48 घंटे
वेलान्तर	00:09:06 घंटे
साम्पातिक काल	09:36:44 घंटे
सूर्योदय	06:13:40 घंटे
सूर्यास्त	16:54:35 घंटे
दिनमान	10:40:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:48:18 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:40:45 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खूबचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	24:40:45	314:50:24	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	20:48:18	01:00:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	14:58:34	13:55:46	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल			सिंह	04:47:05	00:16:51	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	वृश्चि	16:49:24	01:34:09	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
गुरु			वृश्चि	05:39:56	00:13:05	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
शुक्र			तुला	11:56:40	00:27:42	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			कुंभ	12:32:59	00:02:50	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	20:38:56	00:04:03	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	20:38:56	00:04:03	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			मक	00:20:14	00:02:55	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप			धनु	27:54:16	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	04:49:52	00:02:20	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	28:01:41	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:22

लग्न-चलित

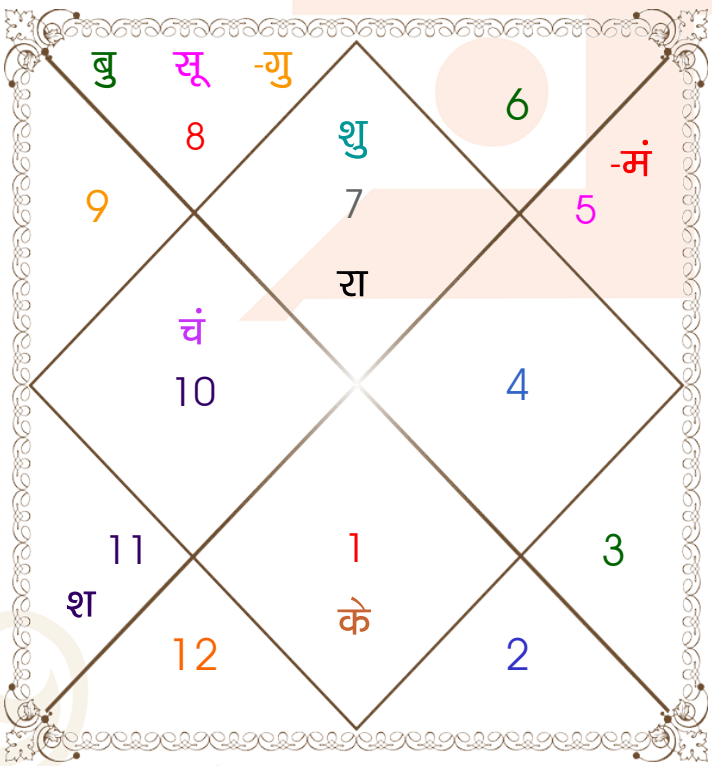

चन्द्र कुंडली

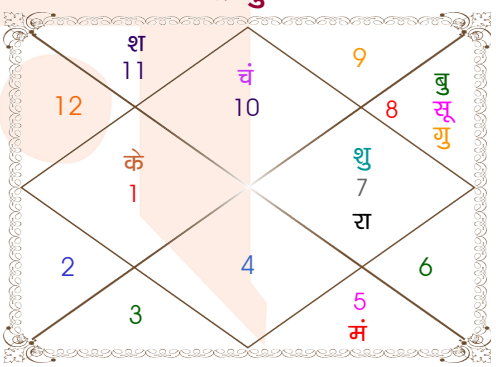

नवमांश कुंडली

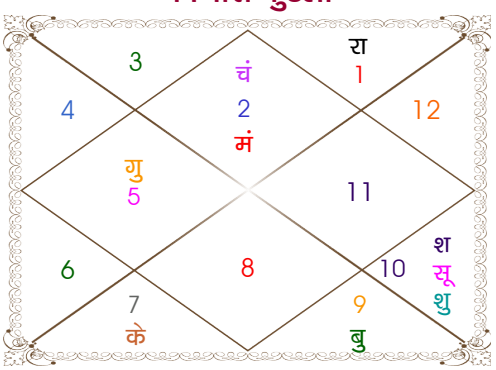

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 3 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/12/1994		14/03/2001		14/03/2008		14/03/2026		14/03/2042	
14/03/2001		14/03/2008		14/03/2026		14/03/2042		14/03/2061	
	00/00/0000	मंगल	10/08/2001	राहु	25/11/2010	गुरु	01/05/2028	शनि	17/03/2045
	00/00/0000	राहु	29/08/2002	गुरु	20/04/2013	शनि	13/11/2030	बुध	25/11/2047
	07/12/1994	गुरु	05/08/2003	शनि	24/02/2016	बुध	18/02/2033	केतु	03/01/2049
गुरु	14/06/1995	शनि	12/09/2004	बुध	13/09/2018	केतु	25/01/2034	शुक्र	05/03/2052
शनि	12/01/1997	बुध	10/09/2005	केतु	01/10/2019	शुक्र	25/09/2036	सूर्य	15/02/2053
बुध	14/06/1998	केतु	06/02/2006	शुक्र	01/10/2022	सूर्य	14/07/2037	चंद्र	16/09/2054
केतु	13/01/1999	शुक्र	08/04/2007	सूर्य	26/08/2023	चंद्र	13/11/2038	मंगल	26/10/2055
शुक्र	12/09/2000	सूर्य	14/08/2007	चंद्र	24/02/2025	मंगल	20/10/2039	राहु	01/09/2058
सूर्य	14/03/2001	चंद्र	14/03/2008	मंगल	14/03/2026	राहु	14/03/2042	गुरु	14/03/2061

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/03/2061		14/03/2078		14/03/2085		15/03/2105		16/03/2111	
14/03/2078		14/03/2085		15/03/2105		16/03/2111		00/00/0000	
बुध	11/08/2063	केतु	10/08/2078	शुक्र	14/07/2088	सूर्य	03/07/2105	चंद्र	14/01/2112
केतु	07/08/2064	शुक्र	11/10/2079	सूर्य	14/07/2089	चंद्र	01/01/2106	मंगल	14/08/2112
शुक्र	08/06/2067	सूर्य	15/02/2080	चंद्र	15/03/2091	मंगल	09/05/2106	राहु	13/02/2114
सूर्य	13/04/2068	चंद्र	15/09/2080	मंगल	14/05/2092	राहु	03/04/2107	गुरु	08/12/2114
चंद्र	13/09/2069	मंगल	12/02/2081	राहु	14/05/2095	गुरु	20/01/2108		00/00/0000
मंगल	10/09/2070	राहु	02/03/2082	गुरु	12/01/2098	शनि	01/01/2109		00/00/0000
राहु	29/03/2073	गुरु	06/02/2083	शनि	15/03/2101	बुध	07/11/2109		00/00/0000
गुरु	05/07/2075	शनि	17/03/2084	बुध	14/01/2104	केतु	15/03/2110		00/00/0000
शनि	14/03/2078	बुध	14/03/2085	केतु	15/03/2105	शुक्र	16/03/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 3 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।